डाक पंजीयन संख्या- म.प्र./भोपाल/4-231/2023-25,
प्रकाशन प्रति सप्ताह बुधवार, पोस्टिंग प्रति सप्ताह गुरुवार
पता-म.न. 31, सेक्टर-1, शक्तिनगर, भोपाल, पिन-462024
फोन नं.-0755-4289655

MPHIN/2009/27464

साप्ताहिक मंथन दृष्टि

प्रादेशिक, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों का समावेश

अमृत वचन

यदि आप गुस्से के एक क्षण में धैर्य रखते हैं, तो आप दु:ख के सौ दिन से बच जाएंगे।

-चीनी कहावत

'सिंघम अगेन' में दीपिका पादुकोण का एक्सेंट 'चेन्नई एक्सप्रेस' जैसा?.... पेज- 7

वर्ष : 16 अंक : 44 भोपाल: बुधवार, 14 नवम्बर से 20 नवम्बर 2024 पृष्ठ 8, मूल्य 5 रुपए

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 मनोहरपुर में सबसे कम 64.03 प्रतिशत वोट पड़े, खरसावां में 77 प्रतिशत का सर्वोच्च रिकार्ड

महिलाओं ने पलटा झारखंड चुनाव का पासा? बदल गए कई सीटों पर समीकरण, 2019 के चुनाव के मुकाबले 3 प्रतिशत अधिक मतदान

झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गांवों में वोटिंग अधिक हुई, जबकि शहरी लोग सुस्त दिखे

● मंथन संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा की कुल 81 में 43 सीटों पर मतदान हो चुका है। इनमें अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अनुसूचित जाति (एससी) की 26 सीटें हैं। पहले चरण के मतदान का चौंकाने वाला तथ्य यह है कि आरक्षित सीटों पर इस बार 77 प्रतिशत तक वोट डाले गए। अब तक के चुनावों में मतदान का यह रिकार्ड है। जिन 26 आरक्षित सीटों पर मतदान हुआ, उनमें जेएमएम के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लाक के पास 21 सीटें हैं। सिर्फ पांच सीटें ही एनडीए के पास हैं।

पुरुषों की अपेक्षा महिला मतदाताओं ने किया अधिक मतदान

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव परिणाम में महिला मतदाताओं की भूमिका ही निर्णायक होगी। हालांकि मतदान के दौरान महिलाओं ने मंईयां सम्मान' या 'गोगो दीदी' योजना को ध्यान में रखकर वोट दिया, इसका खुलासा तो चुनाव परिणाम में ही हो पाएगा।

43 सीटों पर हुए मतदान का प्रतिशत 66.48 रहा है। इंड ऑफ पोल डेटा में मामूली बढ़ोत्तरी संभावित है। वहीं पोस्टल बैलेट का पूरा डेटा आने के बाद मतदान प्रतिशत में आंशिक बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने

बताया कि मतदान के दिन विभिन्न मामलों में कुल दस केस दर्ज किये गये हैं। उसमें कांके, हटिया और रांची में एक-एक, जमशेदपुर पूर्वी में चार, जमशेदपुर पश्चिमी में दो और पलामू में एक मामला दर्ज हुआ है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता के प्रभावी रहने के दौरान भी पूर्व से चालू योजना के क्रियान्वयन पर कोई रोक नहीं होती।

आरक्षित सीटों पर कहां कितने वोट

चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक एसटी के लिए आरक्षित सीट खरसावां ने रिकार्ड बनाया है। वहां 79.11 प्रतिशत मदतान हुआ है। दूसरे नंबर पर घाटशिला है, जहां 75.85 प्रतिशत वोट पड़े। एसटी के लिए रिजर्व 20 सीटों पर पहले चरण में चुनाव हुए, जिनमें 10 पर 70 प्रतिशत से अधिक वोट पड़े। बाकी 10 एसटी सीटों पर भी पिछले मुकाबले मतदान का प्रतिशत बढ़ा है। बाकी एसटी सीटों पर भी 64.3 प्रतिशत से लेकर 69.96 प्रतिशत वोट पड़े हैं। वोटिंग बढ़ने को लेकर विश्लेषण का दौर भी शुरू हो गया है। ज्यादातर लोग इसे हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बने इंडिया ब्लाक के पक्ष में मान रहे हैं। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में एसटी के लिए आरक्षित 28 सीटों में 26 पर इंडिया ब्लाक का ही कब्जा था। सिर्फ दो सीटें ही भाजपा के खाते में गई थीं।

मईयां योजना का यह कमाल तो नहीं

जानकार मान रहे हैं कि मतदाताओं में उत्साह की बड़ी वजह हेमंत सोरेन सरकार द्वारा शुरू की गई मईयां सम्मान योजना है। राज्य सरकार ने तीन महीने पहले ही 18 से 50 साल की महिलाओं के लिए मईयां सम्मान योजना की शुरुआत की थी। इसके तहत महिलाओं के खाते में राज्य सरकार हर महीने हजार रुपये डाल रही है। सम्मान राशि लेने वाली महिलाओं की संख्या 49 लाख के करीब है। इस सम्मान राशि को हेमंत सोरेन ने दिसंबर से 2500 रुपए करने का वादा किया है। हालांकि भाजपा ने भी सरकार बनने पर हर महीने महिलाओं को गोगो दीदी योजना के तहत 2100 रुपए देने का वादा किया है। पर, दूर की अठन्नी से सामने की चवन्नी भली की मानसिकता वोटरों की हो सकती है।

कांटे की टक्कर में कुछ भी संभव है: सभी मान रहे हैं कि चुनाव में किसका पलड़ा भारी है, यह बता पाना मुश्किल है। इसलिए कि हेमंत सरकार की घेराबंदी के लिए एनडीए ने भी कम मेहनत नहीं की है। उनकी मईयां सम्मान योजना की काट भाजपा ने गोगो दीदी योजना लागू करने के वादे से निकाली है। -शेष पृष्ठ 2 पर

झारखंड में बीजेपी को मिलेंगी कितनी सीटें? चुनाव के बीच शिवराज सिंह चौहान ने कर दिया बड़ा दावा

रांची। झारखंड में बीजेपी के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का बड़ा बयान सामने आया है। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए शिवराज सिंह ने कहा कि झारखंड के पहले चरण के मतदान शांतिपूर्व संपन्न हो चुके हैं। चुनाव के पहले फेज में 43 सीटों पर वोटिंग हुई है। इनमें से दो-तिहाई सीट बीजेपी को मिलने वाली हैं। यानी शिवराज सिंह चौहान ने पहले चरण में 28 से 29 सीटें बीजेपी के पास आने की संभावना जताई है।

'झारखंड में परिवर्तन की लहर': केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने कहा, मैं झारखंड का प्रभारी हूं और यह कहूंगा कि पहले चरण में बीजेपी झारखंड की दो तिहाई सीटें जीतने वाली है। पहले फेज में बीजेपी नीत एनडीए वहां जीत रही है और परिवर्तन की लहर चल रही है, हमारी सरकार बन रही है।'

भाजपा के मुद्दे को नकार चुकी है जनता: शाहदेव

रांची। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि भाजपा पहले चरण के चुनाव में पूरी तरह मात खा चुकी है। झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा घुसपैठियों, हिंदू -मुसलमान के मुद्दे से बाहर नहीं निकल पा रही है। राज्य की जनता ने भाजपा के मुद्दे को नकार चुकी है। अब दूसरे चरण के चुनाव की बारी है भाजपा 20 नवंबर तक अपना चुनावी एजेंडा नहीं सेट कर पा रही है। राज्य की जनता को उनके द्वारा किए गए वादों पर भरोसा नहीं है, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की सरकार अपने कल्याणकारी योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं करती। हमने मंईयां सम्मान योजना सभी जाति, धर्म और संप्रदाय के लोगों को दिया। इसी तरह सर्वजन पेंशन योजना सभी को मिल रहा है।

मंथन दृष्टि

पृष्ठ 2 — मानव तस्कर गिरोह — भोपाल की महिला को 3 लाख रुपए में बेचने वाला आरकेएमपी...
पृष्ठ 3 — धर्म और आध्यात्म — कालाष्टमी के दिन भोलेबाबा भैरव रूप में प्रकट हुए थे...
पृष्ठ 4 — किसानों की सक्सेस स्टोरी मंथन — तकनीकी मार्गदर्शन से कैलाश किरार ने मक्का की फसल से...
पृष्ठ 5 — कृषि मंथन — कम जमीन में ज्यादा मुनाफा, मल्टी लेयर फार्मिंग से करें एक...
पृष्ठ 6 — देश-विदेश — 'कनाडा में हैं खालिस्तान समर्थक', जस्टिन ट्रूडो ने खुद ही खोली अपनी पोल...
पृष्ठ 7 — अनोखी खबरें — अनोखा पेड़, जिसे काटने पर निकलता है खून, लोग मानते...
पृष्ठ 8 — ख़ास साप्ताहिक फोटो — तेरहवीं सदी का मुख्य सूर्य मंदिर, एक...

पप्पू यादव बोले- पिस्टल दिखाकर कहता है, इससे ही मारेंगे, धमकाने वाले की डीपी में लॉरेंस की फोटो

पूर्णिया में सांसद पप्पू यादव को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर लगातार जान से मारने की धमकी मिल रही है। 7 नवंबर छठ के पहले अर्ध्य के दिन उन्हें फिर से जान से मारने की धमकी दी गई। सांसद के पीए मो.सादिक आलम के मुताबिक, दिल्ली स्थित पप्पू यादव के ऑफिस में वॉट्सऐप पर धमकी भरे मैसेज किए गए हैं। इस धमकी पर पप्पू यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि 'मैं ना भगवान से डरता हूं, ना इंसान से। मैं सच के साथ खड़ा हूं, जिसे जो करना है, कर ले, आगे भी अपनी बात बेबाकी से रखते रहेंगे।' सांसद पप्पू यादव ने कहा कि मेरे वॉट्सऐप पर 7357853054 नंबर से जान से मारने की धमकी दी गई है। मैसेज में धमकी देने वाले ने खुद को कोड़ी भाई बताया है और डीपी पर लॉरेंस बिश्नोई की तस्वीर लगा रखी है। इससे पहले भी कई अन्य नंबर से जान से मारने की धमकी दी गई है। पप्पू यादव ने कहा कि 'मलेशिया में मयंक सिंह बैठा है। अमन साहू को छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने पनाह दे रखी है। मयंक और छोटा राजन का क्या रिश्ता है। वो चाहता है कि पप्पू यादव को मार दे। किसने अपराधियों को संरक्षण दे रखा है। वो किसी का राइट हैंड है।

पप्पू यादव ने कहा कि झारखंड विधान सभा चुनाव को लेकर मैं लगातार प्रचार कर रहा हूं। छठ पूजा को लेकर पूर्णिया आया हूं। मुझे क्या मालूम कि मेरे खिलाफ क्या चल रहा है। इसके पीछे कौन है। एक तरफ झारखंड में आदिवासी, गरीब और व्यापारियों की सरकार है। दूसरी तरफ भाजपा चाहती है अडानी और अंबानी की सरकार बने।

नाटो से बाहर आएगा ट्रंप का अमेरिका? जानें क्यों डरा हुआ है हथियार दिखाकर रूस को धमकाने वाला यूरोप

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव जीतने के बाद से ही नाटो के भविष्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों को आशंका है कि ट्रंप के कार्यकाल के दौरान अमेरिका नाटो से अलग हो सकता है। यह शंका इसलिए की जा रही है कि क्योंकि अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने नाटो के खिलाफ कई फैसले लिए थे। इतना ही नहीं, उन्होंने नाटो सदस्य देशों को उनके मुंह पर धमकाया भी था। ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भी ऐसे संकेत दिए हैं कि नाटो को चलाने की जिम्मेदारी सिर्फ अमेरिका की नहीं है। ऐसे में सहयोगी देश डर रहे हैं कि कहीं रूस के खिलाफ उनकी की गई मेहनत पर पानी न फिर जाए।

ट्रंप के इन्हीं बयानों के कारण एक साल पहले अमेरिका ने कानून बनाया था कि जब तक अमेरिकी कांग्रेस मंजूरी नहीं देती, तब तक उनका देश नाटो को छोड़ नहीं सकता है। हालांकि, ऐसी आशंका है कि ट्रंप ने पहले से ही इसकी काट खोज रखी है। यह एक ऐसा तरीका है जिसका इस्तेमाल उन्होंने पहले भी किया है। 2023 में सीनेटर टिम कैन और मार्को रुबियो ने कानून बनाया, जिसमें यह आवश्यक है कि नाटो से बाहर निकलने के किसी भी राष्ट्रपति के फैसले को या तो दो-तिहाई सीनेट की मंजूरी मिलनी चाहिए या कांग्रेस के एक अधिनियम के माध्यम से अधिकृत होना चाहिए। सांसदों ने वित्तीय 2024 राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम के हिस्से के रूप में उपाय पारित किया, जिस पर राष्ट्रपति जो बाइडन ने हस्ताक्षर किए।

पुतिन नहीं बल्कि अमेरिका है यूक्रेन युद्ध का जिम्मेदार... एलन मस्क ने शेयर किया वीडियो, नाटो पर वादा तोड़ने का लगा आरोप

वॉशिंगटन। अरबपति एलन मस्क ने एक वीडियो शेयर किया है। दरअसल, एलन मस्क राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अभियान के एक महत्वपूर्ण सदस्य थे। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने रूस-यूक्रेन के संघर्ष में अमेरिका की ओर से निभाई गई कथित भूमिका की ओर इशारा किया। वीडियो में अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी डी सैक्स हैं, जो यूक्रेन युद्ध की जड़ों के बारे में तर्क दे रहे हैं।

सैक्स ने दावा किया कि यह सिर्फ रूस की ओर से की गई आक्रामकता नहीं थी, बल्कि अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो विस्तार के कारण पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष शुरू हुआ। मस्क की ओर से शेयर किए गए वीडियो में सैक्स का दावा है कि यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के अमेरिका के इरादे ने सीधे तौर पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन को हमले के लिए उकसाया। उन्होंने जोर देकर कहा, 'यह यूक्रेन पर पुतिन का हमला नहीं है, जैसा कि हमें बताया गया है।'

✓ हमारा ''मंथन दृष्टि'' साप्ताहिक समाचार पत्र समूची दुनिया में रह रहे हिंदी भाषी भारतीयों के लिए अभी On-line पढ़ने के लिए नि:शुल्क (फ्री) उपलब्ध है। इस E-paper को पढ़ने के लिए www.manthandrishti.com पर जाएं।